World Water Day
(22 March 2024)

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में विश्व जल दिवस पर 'शांति के लिए जल' विषय पर आधारित स्लोगन तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्नातक तथा परास्नातक के विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे पोस्टर तथा आकर्षक स्लोगन के माध्यम से जल का महत्व दर्शाते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम की संयोजक प्रो. संगीता पांडेय ने दैनिक जीवन में जल संरक्षण के तरीकों पर जोर देते हुए कहा कि हम सभी को अपने स्तर से जल के संरक्षण के लिए सक्रिय होना चाहिए। इसमें विद्यार्थी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।
विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी ने कहा कि पेयजल की उपलब्धता और लोगों तक इसकी पहुँच लगातार कम होती जा रही है। विश्व जल दिवस, जल संरक्षण के लिए संकल्पित तथा सचेत होने का दिन है। विश्व भर में स्वच्छ जल की अनुपलब्धता है।
इस अवसर पर प्रो. सुभी धुसिया, डॉ. पवन कुमार, डॉ. मनीष कुमार पांडेय, प्रकाश प्रियदर्शी, दीपेन्द्र मोहन सिंह सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता में शालू पासवान रही अव्वल
पोस्टर प्रतियोगिता में बीए छठे सेमेस्टर की शालू पासवान प्रथम स्थान पर रही। द्वितीय स्थान पर एमए की उषा गोंड, शैलजा त्रिपाठी, कीर्ति चौरसिया तथा तृतीय स्थान पर शुभांगी सिन्हा, सुधीर चौहान, सावित्री चौधरी रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता तथा स्लोगन प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को समाजशास्त्र विभाग द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जल संरक्षण के लिए शपथ भी दिलाई गई।

पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में विश्व जल दिवस पर शांति के लिए जल विषय पर आधारित स्लोगन तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्नातक तथा परास्नातक के विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे पोस्टर तथा आकर्षक स्लोगन के माध्यम से जल का महत्व दर्शाते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम की संयोजक प्रो. संगीता पांडेय ने कहा कि हम सभी को अपने स्तर से जल के संरक्षण के लिए सक्रिय होना चाहिए। इसमें विद्यार्थी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। विभागाध्यक्ष प्रो.अनुराग द्विवेदी ने कहा कि विश्व जल दिवस, जल संरक्षण के लिए संकल्पित तथा सचेत होने का दिन है। विश्व भर में स्वच्छ जल की अनुपलब्धता है। इस अवसर पर प्रो. सुभी धुसिया, डॉ. पवन कुमार, डॉ. मनीष कुमार पांडेय, प्रकाश प्रियदर्शी, दीपेन्द्र मोहन सिंह सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्व जल दिवस के अवसर पर विधि विभाग समाजशास्त्र विभाग में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में शामिल छात्र-छात्राएं।

समाजशास्त्र विभाग में मनाया गया विश्व जल दिवस

शालू प्रथम, उषा द्वितीय व शैलजा को मिला तीसरा स्थान

पोस्टर प्रतियोगिता में बीए छठे सेमेस्टर की शालू पासवान प्रथम स्थान पर रही। द्वितीय स्थान पर एमए की उषा गोंड, शैलजा त्रिपाठी, कीर्ति चौरसिया तथा तृतीय स्थान पर शुभांगी सिन्हा, सुधीर चौहान, सावित्री चौधरी रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता तथा स्लोगन प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को समाजशास्त्र विभाग द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जल संरक्षण के लिए शपथ भी दिलाई गई।

पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

जल का महत्व दर्शाते हुए जल संरक्षण के दिए संदेश

स्वतंत्र वैभव

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में विश्व जल दिवस पर शांति के लिए जल विषय पर आधारित स्लोगन तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में स्नातक तथा परास्नातक के विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे पोस्टर तथा आकर्षक स्लोगन के माध्यम से जल का महत्व दर्शाते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम की संयोजक प्रो. संगीता पांडेय ने दैनिक जीवन में जल संरक्षण के तरीकों पर जोर देते हुए कहा कि हम सभी को अपने स्तर से जल के संरक्षण के लिए सक्रिय होना चाहिए। इसमें विद्यार्थी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी ने कहा कि पेयजल की उपलब्धता और लोगों तक इसकी पहुँच लगातार कम होती जा रही है। विश्व जल दिवस, जल संरक्षण के लिए संकल्पित तथा सचेत होने का दिन है।

शालू पासवान रही अव्वल

पोस्टर प्रतियोगिता में बीए छठे सेमेस्टर की शालू पासवान प्रथम स्थान पर रही। द्वितीय स्थान पर एमए की उषा गोंड, शैलजा त्रिपाठी, कीर्ति चौरसिया तथा तृतीय स्थान पर शुभांगी सिन्हा, सुधीर चौहान, सावित्री चौधरी रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता तथा स्लोगन प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को समाजशास्त्र विभाग द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जल संरक्षण के लिए शपथ भी दिलाई गई।इस अवसर पर प्रो. सुभी धुसिया, डॉ. पवन कुमार, डॉ. मनीष कुमार पांडेय, प्रकाश प्रियदर्शी, दीपेन्द्र मोहन सिंह सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।